

# डॉ. मार्व विल्सन, भविष्यवक्ता, सत्र 19, योएल, भाग 3, और ओबद्याह

© 2024 मार्व विल्सन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा भविष्यवक्ताओं पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 19, योएल, भाग 3, और ओबद्याह है।

जब हम चुनाव करते हैं, तो हमें परमेश्वर की महिमा के लिए चुनाव करने में मदद करें। पॉल ने कुरिन्थियों से कहा कि आपका धन्यवाद कि आप हमारे लिए बुद्धि बन गए हैं। हम न केवल मसीह को पहचानते हैं जो हमारे भीतर रहता है जो बुद्धि है, बल्कि उसका वचन भी बुद्धि है। इसलिए, हमें शास्त्र का अध्ययन करने में मदद करें, यह समझते हुए कि यह हमें परमेश्वर की इच्छा को प्रकट करता है और आज चुनाव करते समय हमारी मदद करता है।

हमें सच्चे से नकली को अलग करने में, नकली और झूठे से प्रामाणिक को अलग करने में मदद करें। हम जानते हैं कि हम अपने आप में ऐसा नहीं कर सकते। इसलिए, हम आपसे बुद्धि के स्रोत के रूप में प्रार्थना करते हैं कि आप हमें आज इस तरह जीने में सक्षम बनाएं कि हम मसीह के माध्यम से आपकी महिमा कर सकें, मैं प्रार्थना करता हूँ। आमीन।

यदि आप पासओवर सेडर सूची में जोड़ना चाहते हैं, तो मैंने आज पैसे भेज दिए हैं। सभी को सामग्री मिल गई है, मास्टर सूची में नाम जोड़े गए हैं।

बस जाँच करें। मैंने मास्टर सूची को जोड़ा, अपडेट किया। यह बात नहीं है।

मेरे कंप्यूटर में अपडेटेड वर्जन है। देखें कि अगर वे वहां नहीं हैं, तो सुनिश्चित करें कि आप कक्षा के बाद मुझसे इस बारे में बात करें। यह सबसे आसान नाम नहीं है, क्या यह स्लिनिंस्की है? मैं पोलिश नामों में बहुत अच्छा नहीं हूँ।

मेरा नाम सरल है। मेरा नाम विलियम द कॉन्करर, 1066, बैटल ऑफ़ हेस्टिंग्स से लिया गया है। इसलिए, मैं विलियम विल्सन का बेटा हूँ।

इसे लिखना बहुत आसान है। मेरी पत्नी आधी अर्मेनियाई है, और सभी अर्मेनियाई लोगों के नाम का अंत IAN होता है, जिसका मतलब है बेटा। इसलिए, उसकी माँ का नाम चोरलियन था, जो चार्ल्स का बेटा था।

तो आपके लगभग सभी अर्मेनियाई नाम ओ'ब्रायन, ओ'ब्रायन के बेटे, ओ'मैली, ओ'मैली के बेटे जैसे हैं, आयरिश की तरह। ठीक है, घाना में वे क्या करते हैं? क्या उनके पास उचित नाम में बेटा कहने का कोई तरीका है? नहीं। ठीक है।

स्वीडन के लोग जॉनसन और स्वेनसन हैं। वैसे, बाइबल में इसे बेन या बार कहा जाता है। यहाँ तक कि कुछ उचित नाम भी इसी तरह से शुरू होते हैं।

बार और नबूस, जो अरामी भाषा में सांत्वना या आराम का बेटा है। ठीक है, मेरे पास जोएल के बारे में कुछ अंतिम शब्द हैं। जोएल के अंतिम अध्याय पर, आज ओबद्याह पर जाने से पहले, मैं इस दिलचस्प कहानी पर वापस जाना चाहता था।

योएल एक साहित्यिक अभिव्यक्ति थी जो हमें योएल के 3:10 में मिलती है। योएल का अंतिम अध्याय यहूदा की पुनर्स्थापना और शत्रुओं पर न्याय से संबंधित है। अंतिम अध्याय में योम यहोवा, प्रभु के दिन की तस्वीर, अंतिम दिनों की है।

योएल यहूदी लोगों का आखिरी दिन है, मसीहाई युग का अंतिम दिन। वह समय जब इस्राएल के सभी भविष्यवक्ताओं ने इस धरती की बुराइयों को खत्म होते देखा। परमेश्वर के लोगों के शत्रुओं का नाश हो गया।

इन राष्ट्रों के विनाश के संदर्भ में, हमारे पास श्लोक 10 में लिखा है, अपने हल के फाल को तलवार बनाओ, अपने काँटों को भालों में बदलो। अब, हल का फाल, बेशक, वह धातु का हिस्सा था जिसका इस्तेमाल वास्तव में हल चलाने के लिए किया जाता था। यह उन आकर्षक चीजों में से एक है जिसे बाइबिल के पुरातत्वविदों ने इज़राइल में खोजा है।

उनकी खुदाई में इन हल के फाल की अच्छी संख्या है। दिलचस्प बात यह है कि, क्योंकि पलिश्टी लोग बाइबल के समय के तकनीकी जादूगर थे और ऐसा लगता था कि वे समुद्र से आकर तट पर बस गए थे और अपने साथ सभी नवीनतम तकनीकी आविष्कार लाए थे, इसलिए इस्राएल को धातु विज्ञान में ए प्लस नहीं मिला। वह हथियारों का आविष्कार करने या धातु की कला में काम करने के लिए नहीं जाना जाता था।

इसलिए, वे अपने हल के फाल लेकर समुद्र में डाल देते थे, और अपनी कुदालें, अपने औजार जो वे मुख्य रूप से कृषि और सैन्य उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करते थे। वे वास्तव में उन्हें पलिश्टियों के पास ले जाते थे। शमूएल में हमें वास्तव में इसका विवरण मिलता है जो बताता है कि पलिश्टी प्रति धार के लिए क्या शुल्क लेते थे। कृषि के लिए दरांती थीं, और अन्य चीजें भी थीं।

बेशक, लौह युग 1200 के आसपास आया, जो एक बड़ी तकनीकी क्रांति थी। इसलिए, 1200 के बाद हल के फाल लोहे से बने थे। आप सीसरा के रथों पर गौर करें।

बाइबल में दो सीसरा हैं। दो सीसरा नहीं; मुझे वापस आकर फिर से कहना है: मेरा दिमाग मेरे मुंह से ज़्यादा तेज़ काम कर रहा था। बाइबल में दो याबीन थे, और डेबोरा और बाराक की कहानी में याबीन, यहोशू के चौथे और पांचवें अध्याय में।

वे रथ, डेबोरा, मेरा दिन अच्छा नहीं चल रहा है। मुझे फिर से शुरू करना चाहिए। हासोर, जहाँ राजा याबीन पाया गया था, देश के उत्तरी भाग में था। ऐसा लगता है कि गलील सागर से लगभग दस मील उत्तर में हासोर नामक इस स्थान पर राजाओं का एक राजवंश था।

उसका उल्लेख जोशुआ की पुस्तक के मध्य में किया गया है। उसके रथों को जोशुआ ने आग से जला दिया था। जब आप न्यायियों की पुस्तक में जाते हैं और डेबोरा बराक कथा में न्यायियों के चौथे और पाँचवें में याबिन नंबर दो से मिलते हैं, तो वे रथ धातु से बने थे और इसलिए उन्हें जलाया नहीं गया था।

तो यह आंतरिक रूप से उन चीजों में से एक है जो डेटिंग के बारे में कुछ कह सकती है। लगभग 1200 तक सभी रथ लकड़ी से बने होते थे और इसलिए दुश्मन द्वारा जलाए जा सकते थे। 1200 के बाद, वे धातु से बने थे।

इस सिनेकडोक में क्या चल रहा है? यह एक अलंकार है जहाँ एक भाग का उपयोग पूरे के लिए या पूरे का उपयोग भाग के लिए किया जाता है। हमने इसका उल्टा देखा; मैंने इसका उल्लेख यशायाह अध्याय दो में किया है, जहाँ आप, उस मामले में, शांति का उल्लेख करते हैं। जहाँ आप एक भाग लेते हैं, अर्थात् एक हल का फाल और वह पूर्ण निरस्त्रीकरण का प्रतिनिधित्व करता है।

युद्ध से आगे बढ़ते हुए, जहाँ तलवार शब्द युद्ध का प्रतिनिधित्व कर सकता है, हल के फाल की ओर, जो शांति का प्रतिनिधित्व करता है, क्योंकि यह हमें कृषि के बारे में बताता है। यही बात भाले से लेकर काटने के कांटे तक पर भी लागू होती है। अब हमारे पास यहाँ इसका उल्टा है।

इसलिए, एक आइटम का उपयोग बहुवचन के लिए किया जा सकता है और इसलिए यह उस के विपरीत पक्ष का प्रतिनिधित्व करने के बजाय, कुल शांति, यह कुल शस्त्रीकरण का प्रतिनिधित्व करता है। राष्ट्रों के न्याय का यह विचार। हमारे पास अमेरिकी जीवन में वह गीत है, वह उस पुरानी फसल को रौंद रहा है जहाँ क्रोध के अंगूर संग्रहीत हैं, उसका सत्य आगे बढ़ रहा है।

प्रकाशितवाक्य 14:19 में, स्वर्गदूत ने पृथ्वी पर अपना दरांती घुमाया, पृथ्वी की अंगूर की फसल इकट्ठी की, और उसे परमेश्वर के क्रोध के महान दाखरस के कुण्ड में डाल दिया। प्रकाशितवाक्य 14:20 में कहा गया है कि इन सभी अंगूरों को काटते हुए शहर के बाहर दाखरस के कुण्ड को रौंदा गया और दाखरस के कुण्ड से खून घोड़े की लगाम जितना ऊपर बह गया। मैं इसका उल्लेख क्यों कर रहा हूँ? खैर, आपके पास योएल के इस दिलचस्प तीसरे अध्याय की आयत 13 में, दरांती लगाओ क्योंकि फसल पक चुकी है, और वह शब्द है कि कटाई करो, बेशक, यह शब्द दरांती की क्रिया की तरह लगता है।

यह बहुत ही अनुनादात्मक है। कटसर। कटसर का मतलब है दरांती से फसल काटना, अनाज काटना।

कटसर। तो कोत्सारीम का मतलब है कटाई करने वाले या कटाई करने वाले, शाब्दिक रूप से बाइबल के समय के दरांती वाले लोग। हम यह शब्द सुन सकते हैं।

इसलिए कटसर में हंसिया लगाओ, क्योंकि फसल पक चुकी है। दाखमधु को दबाओ, क्योंकि दाखमधु का कुंड भर चुका है। कुण्ड छलक रहे हैं, क्योंकि उनकी दुष्टता बहुत बड़ी है।

तो, आप देखिए, वह इसका इस्तेमाल कर रहा है; जैसा कि आप जानते हैं, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में पुराने नियम के 400 से ज़्यादा संकेत या उद्धरण हैं। तो, इस तरह से इन कृषि संबंधी आकृतियों को लिया गया है, और ऐसा लगता है जैसे कि अब प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में, सारी पृथ्वी का न्यायाधीश जो अब क्राइस्टस विक्टर बन गया है, जो अब सभी राष्ट्रों, भाषाओं और लोगों पर शासन करता है और शासन करता है, उसके अधीन हो जाता है। वह दुनिया के पाप पर न्याय लाता है।

और इसलिए, योएल का अंत परमेश्वर के लोगों के औचित्य के बारे में बात करता है। सामूहिक रूप से, इस्राएल को सिनाई में चुना जाता है। सामूहिक रूप से, इस्राएल किसी तरह पृथ्वी के राष्ट्रों के सामने परमेश्वर के औचित्य का अनुभव करता है।

तो जैसा कि 3:17 में कहा गया है, तुम जानोगे कि मैं तुम्हारा परमेश्वर हूँ। और फिर वह उस मिठास के साथ समाप्त होता है जिसे हमने आमोस के अंत में देखा था। पहाड़ों से मीठी दाखमधु टपकती है; पहाड़ियों से दूध बहता है, और यहूदा की नदियों के किनारे पानी बहता है।

यह भूमि की उर्वरता और परमेश्वर के लोगों के लिए प्रचुरता और आशीर्वाद के बारे में अत्यंत काव्यात्मक भाषा में बोलता है। और इसलिए, आपके पास क्या है? आपके पास योएल का वही अंत है जो आमोस का था। लोग अपने शहरों में वापस आते हैं, भूमि पर रहते हैं, और फिर कभी उखाड़े नहीं जाते।

योएल के अंत में आपके पास क्या है? यहूदा हमेशा के लिए बसा रहेगा। यरूशलेम सभी पीढ़ियों के लिए। प्रभु सिधोन में निवास करता है।

अब, मैं ओबद्याह की किताब पर जाना चाहूँगा। इस छोटी सी किताब को बहुत ज़्यादा नज़रअंदाज़ किया जाता है। मुझे लगता है कि इसके पीछे कुछ कारण हैं।

यह लैरी लेहमैन से पूछने जैसा है, आप मुझे नहूम या सपन्याह के बारे में क्या बता सकते हैं? सपन्याह के नाम ने रूट 1 पर एक प्रसिद्ध बैगल शॉप, ज़ेप्पीज़ बैगल्स को जन्म दिया। मुझे नहीं पता कि आप कभी वहाँ रुके या नहीं। लेकिन ज़्यादातर लोग पूछेंगे, ज़ेप्पी कौन है? कोई बात नहीं, सपन्याह कौन है? यह छोटी सी एक-अध्याय वाली किताब इनमें से एकमात्र किताब है जो हमारे पास पुराने नियम में है।

बेशक, हमारे पास फिलेमोन और अन्य लोगों के साथ नए नियम में इनमें से कई हैं? दूसरे और तीसरे, जॉन और जूड। तो, हमें नए नियम में उनमें से बहुत सारे मिलते हैं। तो, यह संक्षिप्त और वास्तव में बिंदु पर है।

ओबद्याह, जीवन में पहली बार मिले ओबद्याह, एक बैसेट हाउंड था, जो मुझे लगता है कि बैसेट हाउंड के लिए एक बहुत ही उपयुक्त नाम है। आपको उसके लंबे कान पसंद हैं जो ज़मीन पर घिसटते हैं। वह बिल्कुल बैसेट हाउंड जैसा दिखता था।

वह ऐसा ही लग रहा था, बहुत उदास, बहुत उदास। पुराने नियम में ओबद्याह द्वारा बारह लोगों के नाम बताए गए हैं। और जब भी आप अब्दुल नाम सुनते हैं, जो आज मुस्लिम दुनिया में बहुत आम नाम है, तो यह वही मूल है।

ओबद्याह का मतलब सिर्फ ईश्वर का सेवक, प्रभु का सेवक या संभवतः प्रभु का उपासक होता है। याद रखें, वही हिब्रू क्रिया, अवद, का अर्थ सेवा करना या काम करना, अपने हाथों से सेवा करना और साथ ही पूजा करना दोनों है। और दस आज्ञाओं में, जो मूर्तियों की पूजा करने से मना करती हैं, यह वही मूल है जो ओबद्याह के नाम के पहले भाग में पाया जाता है।

तो, सेवा करना या संभवतः पूजा करना ही विचार है। ओबद्याह कब लिखा गया, यह सवाल बहुत सरल लगता है। यह बहुत सरल सवाल है।

और यह कुछ ऐसा है जो किताब को पढ़ने से हमें पता चलता है। जब आप किताब को पढ़ते हैं, तो यह एदोम पर अभियोग है। और एदोम को विशेष रूप से अपने जुड़वां भाई की मदद करने में विफल रहने के कारण अभियोग लगाया जा रहा है।

बाइबल 101 में आप जो सीखते हैं, उससे आपको याद होगा कि एसाव एदोमियों का पिता था। याद रखें, एसाव सबसे पहले बाहर आया था। वह लाल और बालों वाला था।

वह एसाव था, जिसका अर्थ है बालों वाला। लेकिन उसे एडमोनी के रूप में भी वर्णित किया गया है, जो सुर्ख और लाल रंग का होता है। और इसलिए जन्म के समय इस जुड़वाँ, जैकब और एसाव के वर्णन के बीच निश्चित रूप से एक व्यंग्य है।

बेशक, शास्त्रों में एसाव ने अपनी विरासत बेच दी, वह निश्चित रूप से परमेश्वर की योजना में नहीं था, वह चुना हुआ व्यक्ति था जिसके माध्यम से वाचा के वादे पूरे होंगे। वे याकूब के माध्यम से आएंगे। और जबकि भाषा अतिवादी लगती है, भविष्यवक्ता मलाकी के शुरुआती शब्द, याकूब से मैंने प्रेम किया, एसाव से मैंने घृणा की।

और, बेशक, रोमियों 9 से 11 में पौलुस ने इसी भाषा का इस्तेमाल किया है। हम नहीं सोचते कि परमेश्वर वास्तव में लोगों से नफरत करता था, लेकिन वहाँ जो भाषा है वह बस यही है कि परमेश्वर का चुना हुआ प्रेम उन दोनों के बीच परमेश्वर के चुने हुए व्यक्ति के ज़रिए साकार होना था। इसलिए नहीं कि वह परिपूर्ण था।

अगर आप याकूब के जीवन-चरित्र की जाँच करें, तो आप पाएँगे कि उसमें बहुत सारी खामियाँ हैं। बहुत सारी खामियाँ। और सुसमाचार की अच्छी खबर यह है कि परमेश्वर दोषपूर्ण लोगों के माध्यम से पृथ्वी पर अपने उद्देश्यों को पूरा कर सकता है, जो वास्तव में सुसमाचार की कहानी है।

इसलिए, कोई भी परमेश्वर की श्रेष्ठता का बखान नहीं कर सकता। वह हमारे कारण नहीं बल्कि हमारे बावजूद काम करता है। और याकूब उन लोगों में से एक है, सभी दोषों के साथ, धोखेबाज, चालबाज, कई तरह से षडयंत्रकारी, लेकिन फिर भी वह जिसे यिसरेल कहा जाता है, वह जो परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है।

और रब्बी साहित्य में, इस बात पर बहुत चर्चा है कि पुराने नियम में इन लोगों को अपना नाम देने वाले व्यक्ति के लिए इसका क्या मतलब है। जिन्हें परमेश्वर के साथ संघर्ष, संघर्ष और कुशती करनी है। और यह वास्तव में एक अच्छी बात है, हालाँकि हम समय-समय पर परमेश्वर के साथ बहस कर सकते हैं, जैसा कि यिसरेल ने किया था।

यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने विश्वास को अपनाएं। हम इसके साथ संघर्ष करें। हम इसे अपनी भाषा में अभिव्यक्त करें।

यह कोई विरासत नहीं है जो आगे चलकर मिलती है, लेकिन यह कुछ ऐसा है जिसका हमें व्यक्तिगत रूप से दावा करना चाहिए। ओबद्याह पद 10 के अनुसार याकूब के साथ हिंसा की गई थी। और जब यरूशलेम पर नबूकदनेस्सर की सेनाओं द्वारा हमला किया जा रहा था, तो उसके समर्थन में आने के बजाय, उस समय की अवधि में जो 70 साल के निर्वासन की ओर ले जाती थी, मूल रूप से एदोम, जो यहाँ निंदनीय था, एदोम, जुड़वाँ भाई, अपने जुड़वाँ भाई की मृत्यु पर खुशी मना रहा था।

अपने ही लोगों की सहायता करने में विफल होना और भी अधिक निंदनीय है। और इसलिए, वे छंद, आपको ऐसा नहीं करना चाहिए था, आपको ऐसा नहीं करना चाहिए था, यह एक मंत्र है जो छंद 12 से शुरू होकर आठ बार आता है। आपको अपने भाई के दिन पर गर्व नहीं करना चाहिए था।

तुम्हें यहूदा के लोगों और उनकी बर्बादी पर खुश नहीं होना चाहिए था। तुम्हें शहर के द्वार पर खड़े होकर उसकी तबाही पर खुश नहीं होना चाहिए था, उसका माल लूटना नहीं चाहिए था, लोगों को हड़पना नहीं चाहिए था, शहर से भागना नहीं चाहिए था। इसलिए, कथा में जो कुछ चल रहा है, उसे देखते हुए, इसकी तिथि 586 के बाद की छोटी अवधि की लगती है।

इसलिए, हम इसे चार या पाँच साल बाद की तारीख देना चाहेंगे। 582, कुछ ऐसा ही। क्योंकि यह उस समय की अवधि को संदर्भित करता है जब यहूदा के लोगों को ले जाया गया था।

ऐसा लगता है कि ओबद्याह की पुस्तक, खास तौर पर पुस्तक के पहले हिस्से और यिर्मयाह के 49वें अध्याय, श्लोक 7 से 22 के बीच किसी तरह की साहित्यिक निर्भरता है। और अगर आप यिर्मयाह 49, 7 से 22 पढ़ते हैं और फिर ओबद्याह की पुस्तक पढ़ते हैं, और जबकि मैं इन अंशों की तुलना नहीं करने जा रहा हूँ, हमारे पास निश्चित रूप से उनका विश्लेषण करने का समय नहीं है, यह आपको एक तरह की समकालिक समस्या की याद दिलाता है। या राजाओं और इतिहास का सामंजस्य है, जिसके बारे में आप में से कुछ लोग नहीं जानते होंगे।

आप 1 राजा 1 से 11 तक का अध्ययन कर सकते हैं, जो सुलैमान के राजत्व की कहानी है। इतिहास में इसके समानांतर एक विवरण है, जहाँ सामग्री दोहराई गई है। इसमें से कुछ समान है।

इसके अन्य भाग अलग-अलग हैं। जैसे कि मार्क का 90% भाग 1 राजा 1 से 11 में दोहराया गया है। इसलिए, ल्यूक और मैथ्यू हैं, या यह समानांतर है।

जबकि यूहन्ना वास्तव में अद्वितीय सुसमाचार है, कुछ चीजें ऐसी हैं जो चारों में समान हैं, जैसे 5,000 लोगों को भोजन कराना और पुनरुत्थान। लेकिन कुल मिलाकर, यूहन्ना उन सुसमाचारों से काफी अलग है जिन्हें हम समकालिक सुसमाचार कहते हैं। इसलिए, यहाँ भविष्यवक्ताओं के बीच, या तो ओबद्याह और यिर्मयाह किसी पुरानी भविष्यवाणी को उद्धृत कर रहे हैं जो आज मौजूद नहीं हो सकती है, या ओबद्याह यिर्मयाह की सामग्री ले रहा है।

याद रखें, यिर्मयाह दक्षिणी राज्य में अंतिम घटनाओं का गवाह था। यिर्मयाह के लिए हमारी तिथियाँ 627 से 587 हैं। वह अंत तक वहीं था, और यरूशलेम के पतन के बाद वह मिस्र में समाप्त होता है।

तो, यिर्मयाह भविष्यवक्ताओं की इस लूट का समकालीन था। वह यरूशलेम का गवाह था। तो, हो सकता है कि ओबद्याह यहाँ यिर्मयाह को उद्धृत कर रहा हो, या यह भी संभव है कि यिर्मयाह ओबद्याह को उद्धृत कर रहा हो।

किसी भी मामले में, जैसा कि हमने भविष्यवक्ताओं में देखा है, इस पुस्तक में न्याय और आशा का संतुलन है, कड़वा और मीठा। इस विशेष पुस्तक में, यह विशेष से सार्वभौमिक तक काम करता है। शास्त्र में अन्यत्र भी ऐसा होने की प्रवृत्ति है।

परमेश्वर एक व्यक्ति, अब्राहम, विशेष को एक विशेष लोगों के साथ वाचा बाँधने के लिए बुलाता है। क्यों? ताकि पूरी दुनिया धन्य हो जाए। ओबद्याह विशेष से आगे बढ़ता है, अर्थात् एदोम का न्याय, एक सार्वभौमिक न्याय की ओर और फिर परमेश्वर के लोगों की पुनर्स्थापना से पृथ्वी पर परमेश्वर के शासन और शासन की एक सार्वभौमिक स्थापना की ओर बढ़ता है।

जैसा कि ओबद्याह ने अपनी आखिरी पंक्ति में लिखा है, राज्य प्रभु का होगा। दूसरे शब्दों में, प्रभु शासन करेंगे। एदोम को उसके पाप के लिए दंडित किया जाना था, और विशेष रूप से, उसका पाप यहूदा पर कब्ज़ा करने, यरूशलेम को लूटने, इस घटना पर खुशी मनाने में बेबीलोनियों की सहायता करना था।

हमने भविष्यवक्ताओं में जो विशिष्ट सूत्र देखा है, वह यह है कि भविष्यवक्ता अपने शब्दों के लिए ईश्वरीय प्रेरणा या उत्पत्ति का दावा करता है। एदोम के बारे में भविष्यवक्ता, प्रभु परमेश्वर, इस प्रकार कहता है। पद 1, पद 4: मैं तुम्हें नीचे लाऊंगा, प्रभु कहते हैं।

फिर से, श्लोक 8 में प्रभु कहते हैं। यह जोर, और फिर से यह श्लोक 18 में पाया जाता है, प्रभु ने कहा है। तो, जहाँ से हमने पाठ्यक्रम शुरू किया था, वहाँ वापस जाते हुए, भविष्यवक्ता कौन हैं? परमेश्वर के प्रवक्ता।

संदेश की उत्पत्ति ईश्वर से होती है, इस पर जोर दिया गया है। नबी बस, एक डाकिया की तरह, एक संदेश बोलता है या देता है जो किसी और से उत्पन्न होता है। यह छोटी सी किताब ओबद्याह के दर्शन से शुरू होती है।

हमने आमोस में वे पाँच दर्शन देखे थे, और यहाँ भी यही भाषा इस्तेमाल की गई है। मैंने बताया कि एदोमियों का पूर्वज एसाव था, और अगर आप उत्पत्ति 36 पर वापस जाएँ, तो आपको उत्पत्ति में काफ़ी सामग्री मिलेगी। मैं एदोमियों के बारे में नहीं बताऊँगा।

पुस्तक इन लोगों के अभियोग पर केंद्रित है। अब, एदोमी - नए नियम में से एक शब्द - इदुमिया है, जिसे LXX में, पुराने नियम के यूनानी अनुवाद में, एदोम के रूप में व्यक्त किया गया है। इदुमिया यहूदा के दक्षिण का क्षेत्र था, और जब आप देखते हैं कि एदोमी कहाँ बसे थे, तो वे सीधे ड्राई गुलच के पूर्व में बसे थे, जो कि अराबा है, यह 90 मील का विस्तार है।

यह एक घाटी है, नमक सागर के दक्षिणी छोर से अकाबा की खाड़ी तक एक सूखी घाटी। एदोमी लोग इस क्षेत्र के पूर्व में बस गए, और उन्हें नीचे लाए जाने के बाद, उन्हें पश्चिम में ले जाया गया और नष्ट कर दिया गया। वे, अधिकांशतः, अरबा के पूर्व से अरबा के पश्चिम की ओर चले गए और यहूदा जनजाति के दक्षिण में बस गए।

वास्तव में, जब हम मीका के बारे में बात करते हैं, तो यहूदा के शेफेलाह में एक छोटा सा शहर है, जहाँ से मीका आया था, जिसे मोरेशेथ या तेल मोरिसा कहा जाता था, जैसा कि ग्रीक दुनिया में जाना जाता था। उस शहर में कई दशकों तक एदोमियों का निवास था। एदोमियों को नाबातियन नामक एक समूह द्वारा खदेड़ दिए जाने के बाद वे अब यहूदा के दक्षिण में रह रहे थे।

नाबातियन यहाँ सबसे पहले बसने वाले थे। दक्षिणी राज्य की कैद के कुछ समय बाद ही नाबातियन इस क्षेत्र में आ गए। और नाबातियन सिलाह में चले गए, यहाँ शब्द का उपयोग करें, या पेट्रा जैसा कि बाद में इसे कहा गया, जो एदोमियों का गढ़ था।

और एडोमियन, जो एक खानाबदोश अरब जनजाति थे, वे यरूशलेम के पतन के कई दशकों बाद आए और इस क्षेत्र पर कब्जा कर लिया। और उन्होंने लगभग डेढ़ सदी तक इस पर नियंत्रण किया। उन्होंने पेट्रा को अपनी राजधानी बनाया।

और पेट्रा का मतलब निश्चित रूप से चट्टान है और यह शब्द पेट्रा और सिलाह के बीच का संबंध है जैसा कि इसे ग्रीक भाषा में कहा जाता था। जिसका अर्थ है चट्टानी चट्टान। इसलिए, पेट्रा उन प्रमुख शहरों में से एक था जिसका नाम ग्रीक संस्कृति के प्रभाव के बाद पेट्रा रखा गया।

याद रखें, 330 ईसा पूर्व के बाद यह पूरा क्षेत्र ग्रीक संस्कृति से बहुत प्रभावित था। सिकंदर के साम्राज्य के पतन के दौरान, सेल्यूकस दमिश्क से अपनी ग्रीक संस्कृति को आगे बढ़ा रहा था। और टॉलेमी दक्षिण से नियंत्रण कर रहे थे।

और इस तरह बाइबिल की दुनिया का वह पूरा क्षेत्र ग्रीक प्रभाव में था। लोगों को नाबातियन द्वारा पेट्रा से बाहर निकाल दिया गया। और फिर, जैसा कि मैंने कहा, वे यहूदा के क्षेत्र में चले गए।



इस दौरान, इस क्षेत्र का नाम बदलकर 310-312 ईसा पूर्व के आसपास इदुमिया कर दिया गया। सिकंदर की मृत्यु के कुछ दशक बाद ही, यहूदा के दक्षिण में स्थित यह क्षेत्र इदुमिया बन गया, जो अब ग्रीक नाम है। और पेट्रा भी उसी को दर्शाता है।

हेब्रोन अब इदुमियों के अधीन एक राजधानी बन गया। और हम इंटरटेस्टामेंटल अपोकलिफ़ल साहित्य में 1 मैकाबीज़ में पढ़ते हैं कि हेब्रोन एदोम की राजधानी थी जो अब यहूदा के दक्षिण में चली गई। मैकाबीन इन इदुमियों के खिलाफ़ विद्रोह करते हैं, जो बहुत यूनानी-उन्मुख और बहुत यहूदी-विरोधी थे।

जूडस द मैकाबी ने 160 ईसा पूर्व के आसपास 20,000 एदोमियों को मार डाला था क्योंकि यह पुरोहित परिवार हेलेनिस्टिक प्रभावों से लड़ने की कोशिश कर रहा था। इस मानचित्र पर आप टेल मोरेशाह को देख सकते हैं, जहाँ से मीका का जन्म हुआ था। यह आपके प्रमुख इदुमियन शहरों में से एक था।

मैंने उस विशेष शहर में थोड़ी खुदाई की है और उस पूरे क्षेत्र में भरी हुई मधुकोश गुफाओं में पाए गए यूनानी सामग्रियों के साक्ष्य काफी मजबूत हैं। अब, दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व में स्वतंत्रता की अवधि के दौरान, आखिरी बार यहूदी लोगों के पास एक राजा था, जॉन हिरकेनस, जो आया था। और उसने, मैकाबीज़ के बाद, जॉन हिरकेनस ने लगभग 125 ईसा पूर्व शासन किया।

वह आता है, और वह यहूदीकरण करना चाहता है; याद रखें, वह उस मैकाबीन या हसमोनियन परिवार का प्रतिनिधित्व करता है जो भूमि के हेलेनाइजेशन को खत्म करना चाहता है। और वह वहाँ आता है, और वह इन इदुमियों को खतना स्वीकार करने के लिए मजबूर करता है, और वह उन्हें यहूदी कानून अपनाने के लिए मजबूर करता है। जाहिर है, यह अच्छी तरह से नहीं चला, एक चम्मच चीनी के साथ भी नहीं।

यह बहुत दर्दनाक बात थी। ईसा के समय में हेरोदेस इदुमियन थे, और जॉन हिरकेनस के मामले में, जहाँ उसने 125 के आसपास इस क्षेत्र पर विजय प्राप्त की, उसने इन लोगों पर यहूदी धर्म थोपा, और उन्हें यहूदी धर्म में परिवर्तित करने के लिए मजबूर किया। उनमें से कुछ लोग उस क्षेत्र से भाग गए, और उनमें से कुछ ने अनिच्छा से यहूदी धर्म स्वीकार कर लिया।

लेकिन यह बाइबिल के इतिहास में उन कुछ मामलों में से एक है जहाँ यहूदी धर्म को विजित लोगों पर थोपा गया था। अधिकांश भाग के लिए, यहूदी अपनी संस्कृति को अन्य लोगों पर थोपने में संकोच करते रहे हैं। विशेष रूप से अन्य लोगों के बारे में उनकी धार्मिक मान्यताएँ।

आधुनिक दुनिया में भी, जब से मैं गॉर्डन में हूँ, यहूदी धर्म के भीतर एक आंदोलन द्वारा अमेरिका में अधिक सक्रिय धर्मांतरण अभियान को बहाल करने के तीन प्रयास किए गए हैं। जो वास्तव में कभी भी बहुत अधिक सफल नहीं हो पाए या अच्छी तरह से स्वीकार नहीं किए गए। यहूदी धर्म ने अपने पूरे इतिहास में देखा है, इनकिजिशन में, 1492 में स्पेन से निष्कासन में, उससे सदियों पहले धर्मयुद्ध में, यहूदी अन्य लोगों द्वारा बल प्रयोग करने के लिए अनिच्छुक थे।

इसलिए, मिशन हिंसा से जुड़ गए। और यहूदी अपने धर्म को आगे बढ़ाने में अनिच्छुक हैं। वे स्वेच्छा से आने वाले धर्मांतरित लोगों का स्वागत करते हैं, लेकिन उन लोगों का कभी स्वागत नहीं करते जिन पर यह थोपा गया हो।

तो, वहाँ एक अनिच्छा है। तो, जॉन हिरकेनस के समय वहाँ क्या हो रहा था, जिसने बाइबल के समय के इन हेरोदेस को जन्म दिया जो स्वयं आध्यात्मिक सत्य के प्रति असंवेदनशील थे? हम कम से कम थोड़ा बहुत तो जानते ही हैं कि वे कहाँ से आए थे।

अब, मैं बाइबल में दिए गए पाठ के बारे में थोड़ा बात करना चाहूँगा। और मैं ओबद्याह की पुस्तक पढ़ना चाहूँगा। भाषा पर गौर करें, शुरुआत में वह कहता है, युद्ध के लिए तैयार हो जाओ।

और राष्ट्र, मानो एदोम के विरुद्ध युद्ध में पंक्तिबद्ध हैं। यहूदियों में अहंकार की समस्या थी, और ओबद्याह द्वारा एदोम की आलोचना में मुख्य बात यह थी कि वह खुद को श्रेष्ठ समझती थी। लेकिन परमेश्वर की नज़र में वह महत्वहीन थी।

इसलिए, पद 2 में जब यह कहा गया है, मैं तुम्हें राष्ट्रों के बीच छोटा कर दूँगा, तुम पूरी तरह से तुच्छ समझे जाओगे। यह याद दिलाता है कि कैसे परमेश्वर, अपनी सर्वोच्च बुद्धि में, कुछ राष्ट्रों को ऊँचा करता है और दूसरों को गिरा देता है। जिस बात पर विशेष रूप से जोर दिया गया है वह है एदोम के हृदय का घमंड।

पद्य 3, यह गर्वपूर्ण आत्मविश्वास संभवतः उसकी अभेद्य, प्रतीत होने वाली अभेद्य स्थिति के कारण पैदा हुआ है। वहाँ, एदोम की पहाड़ियों में, यह दुर्गम है। यदि आप आज एदोम में यात्रा करते हैं, तो आप बहुत ही संकीर्ण घाटियों से होकर गुजरते हैं।

क्या आप पिछली गर्मियों में यहीं गए थे? वहाँ पहुंचने में कई घंटे लगते हैं। यह एक खूबसूरत, सुंदर, गुलाबी, लाल चट्टान वाला क्षेत्र है, जहाँ आप आज भी आ सकते हैं; बोस्टन ग्लोब टैवल सेक्शन से सुनें, आपको दिखाएं; इसे एदोम का खजाना कहा जाता है। और जहाँ आपको कुछ खूबसूरत संरचनाएं मिलेंगी।

यह लेख पेट्रा की विशालता, भव्यता और रहस्य पर है। और लोग वहाँ जाते हैं और वे वहाँ की वास्तुकला से बहुत, बहुत प्रभावित होते हैं। और यह स्थान जो छिपा हुआ है, वास्तव में, मुख्य मार्ग से बहुत, बहुत अच्छी तरह छिपा हुआ है।

और इसलिए तुम चट्टान की दरारों में सुरक्षित महसूस करते हो। तुम्हारा निवास ऊँचा है। तुम अपने दिल में कहते हो, श्लोक 3, मुझे कौन नीचे लाएगा? और इसलिए तुम सुरक्षित महसूस करते हो।

और इसलिए श्लोक 4 में वह अभिव्यक्ति, भले ही आप उकाब की तरह ऊँची उड़ान भरते हों, और यह किला, फिर से, बहुत ऊँचा स्थित था, सितारों के बीच एक उकाब के घोंसले की तरह। और यहाँ भाषा, फिर से, भविष्यवक्ताओं की विशिष्ट, अतिशयोक्तिपूर्ण है। और भले ही आप सितारों के बीच अपना घोंसला बनाते हों, मैं आपको नीचे लाऊँगा।

जबकि राष्ट्र अक्सर खुद पर गर्व करते हैं, आज हमारे पास भूमध्यसागरीय क्षेत्र में एक ऐसा देश है जो खुद पर गर्व करता है; वह बहुत सारा पैसा जमा करता है और बहुत से लोगों के साथ बहुत क्रूरता से पेश आता है। और इसलिए, उसे लोगों पर बहुत गर्व है, उसने हवाई जहाज और अन्य चीजों को गिरा दिया है। मुझे कौन गिराएगा? इस तरह के गर्व के साथ आसानी से नहीं चलता।

प्रभु यहाँ कहते हैं कि उन्हें अंतिम शब्द उतना ही दुर्गम और सुरक्षित लगता है जितना कि एदोमियों ने खुद को स्थापित किया था। पेट्रा की पूर्णता, उनके विनाश की पूर्णता का संकेत 5 से शुरू होने वाले छंदों में दिया गया है। इसमें लोगों के आने, चोरों या लुटेरों का वर्णन किया गया है, जो कुछ चीजें ले जा रहे हैं। लेकिन यह जगह पूरी तरह से लूटी जाने वाली है, पूरी तरह से साफ की जाने वाली है।

वह कहता है कि अगर अंगूर इकट्ठा करने वाले तुम्हारे पास आए, तो वे कुछ न कुछ छोड़कर जाएँगे, लेकिन तुम्हारे मामले में ऐसा नहीं है। इसके विपरीत, एसाव को कैसे लूटा गया, उसके खजाने, दुर्गम, रहस्यमय, छिपी हुई चीजों की तलाश की गई। और प्रभु यहाँ कहते हैं, फिर श्लोक 7 में, वे कहते हैं, यहाँ तक कि तुम्हारे सहयोगी भी तुम्हें धोखा देने जा रहे हैं।

दिलचस्प बात यह है कि हिब्रू में जिस तरह से NIV में सहयोगी या मित्र का इस्तेमाल किया गया है, उसी तरह से यह शब्द लैटिन शब्द साथी में भी इस्तेमाल किया गया है। साथी वह होता है जिसके साथ आप रोटी खाते हैं।

कॉन का मतलब है साथ में और पैन का मतलब है रोटी। और इसलिए, साथी एक मेस मेट या कोई ऐसा व्यक्ति है जिसके साथ आप भोजन साझा करते हैं। और इसलिए श्लोक 7 में वह अभिव्यक्ति, जो आपकी रोटी खाते हैं वे आपके लिए जाल बिछाएंगे।

दूसरे शब्दों में, वे लोग जिनके साथ आप रोटी तोड़ते हैं, दोस्ती के प्रतीक, आपके अपने सहयोगी, वही लोग आपके खिलाफ हो जाएँगे। उस दिन, पद 8, एक परिचित अभिव्यक्ति जिसे हमने भविष्यवक्ताओं में देखा है, एदोम के बुद्धिमान लोग नष्ट हो जाएँगे। इसलिए वह एदोमियों, विशेष रूप से याकूब के प्रति उनके व्यवहार की आलोचना करता है, और पद 10 में उन्हें हमेशा के लिए खत्म कर देने की धमकी देता है।

अब, एदोमियों, यरूशलेम के पतन के बाद कई दशकों में नाबातियन के आने के बाद, हम एदोमियों के बारे में फिर कभी कुछ गंभीर नहीं सुनते। एदोमियों ने, निश्चित रूप से, इस्राएल के टुचुस में दर्द पैदा किया था जब वे सिनाई प्रायद्वीप से बाहर आने के बाद अपने देश में भटक रहे थे। लेकिन एदोम का पराभव, उसके पाप, यह सदियों पुराना विरोध, आप अलग-थलग खड़े रहे, यह एक महत्वपूर्ण शब्द है, दर्शक।

तुम अलग-थलग खड़े थे, अपने भाई पर खुशी मना रहे थे, उसकी मौत पर खुशी मना रहे थे, और आखिरकार अपने भाई को पकड़ भी लिया जब वह शहर से भाग रहा था। तो, यह एदोम के लिए अभियोग है। वह पुस्तक को लेंस को चौड़ा करके समाप्त करता है और सभी राष्ट्रों पर न्याय और पृथ्वी पर परमेश्वर के अंतिम शासन के बारे में बात करता है।

लेकिन मैं शुक्रवार को कक्षा में वापस आने पर उस विषय पर बात करूंगा।

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा भविष्यवक्ताओं पर दी गई शिक्षा है। यह सत्र 19, योएल, भाग 3, और ओबद्याह है।